दैनिक भास्कर
INDORE, WEDNESDAY, 19/08/2015

टेक सैवी होने से पहले टेक लिटरेट होना ज़रूरी

CYBER WORKSHOP

सिटी रिपोर्टर • हम आए दिन सुन रहे हैं, पढ़ रहे हैं कि हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बेहतर बनाने के लिए कई नई एप्स तैयार की जा रही हैं। फोन से कॉन्टैक्ट ट्रांसफर करने के लिए एप्प है। फोन घर पर छूट जाए तो ऑफिस में बैठे-बैठे फोन के मैसेजेस, फोन बुक और कॉल्स रिसीव करने के लिए भी एप्प है। आठ-नौ साल के बच्चे भी टेकसैवी हो गए हैं, और पैरेंट्स से लेकर स्कूल भी बच्चों को टेकसैवी बनाने पर आमादा हैं। जबकि टेकसैवी बनने से पहले टेक लिटरेट बनना ज़रूरी है। हम इस मामले में अभी बहुत पीछे हैं। पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इंदौर के आईजी वरुण कपूर ने अपने ब्लैक रिबन इनीशिएटिव के तहत साइबर क्राइम के बारे में यह जानकारी मंगलवार को डीएवीवी में हुई वर्कशॉप में दी।

काउंसलिंग-जॉब तक इंटरनेट का इस्तेमाल

आईजी कपूर ने कहा हमारी लाइफस्टाइल ही अब ऐसी हो गई है कि इंटरनेट के बग़ैर काम ही नहीं चलेगा। कॉलेज की काउंसलिंग से लेकर जॉब के लिए एप्लाय करने तक में भी इंटरनेट का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। यह रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन गया है। हम नेट इस्तेमाल करना तो जान गए हैं, लेकिन पूरा नॉलेज नहीं है और इसीलिए वे साइबर क्राइम के शिकार हो रहे हैं।

ये हैं थ्रेट्स

- फाइनेंशियल थ्रेट
- आइडेंटीटी थ्रेट
- डेटा थ्रेट

ऐसे रहें सेफ

- अनावश्यक लिंक्स क्लिक न करें
- अनजान लोगों को फ्रेंड्स न बनाएं
- पर्सनल डेटा, डीटेल्स शेअर न करें